Date __/__/__

डॉ० राणा चन्द्रशेखर सिंह
दर्शन शास्त्र विभाग

B.A Part I (Hons) IInd Paper
Time – 11-30 to 12-15
Date – 27-4-2021
Topic – Scope of Ethics –

नीतिशास्त्र के क्षेत्र

Ans – प्रत्येक विषय का एक सीमा होती है क्षेत्र होता है। उसकी समस्याऐं होती है जिनका उस विषय के द्वारा उस शास्त्र के अध्ययन तथा विमर्श किया जाता है। नीतिशास्त्र के क्षेत्र का का अर्थ है वैसी समस्या जिस पर विचार जिसका नीतिशास्त्र में विचार होता है।

नीतिशास्त्र में नैतिक चेतना के विषयों का अध्ययन किया जाता है जैसे उचित, अनुचित, शुभ-अशुभ आदि का विचार किया जाता है। नैतिक चेतना से सम्बन्धित जितनी बातें हैं सभी विषय नीतिशास्त्र के हैं अतः नीतिशास्त्र में निम्न-लिखित बिन्दुओं पर विचार किया जाता है

(i) नैतिक गुणों का अर्थ – नीतिशास्त्र में उचित-अनुचित, शुभ-अशुभ, पाप-पुण्य, गुण, दोष आदि का वास्तविक अर्थ क्या है। नीतिशास्त्र में इन्हीं विषयों पर विचार किया जाता है मानवी आचरण का मूल्यांकन इन्हीं विचारों के द्वारा किया जाता है।

(ii) नैतिक निर्णय – नैतिक गुणों का प्रयोग नैतिक निर्णयों में होता है नीतिशास्त्र का सम्बन्ध नैतिक निर्णय से होता है अतः नैतिक निर्णय का स्वरूप, उनका विषय उनकी मान्यताऐं तथा नैतिक शक्ति के स्वरूप का अध्ययन भी नीतिशास्त्र के विषय है

(iii) नैतिक मापदण्ड – किसी भी निर्णय में किसी मापदण्ड की आवश्यकता होती है अतः नैतिक निर्णय में भी नैतिक मापदण्ड का [illegible]